GNM 1st Year . Fundamental Of Nursing. Unit 01

Introducing Of Nursing (नर्सिंग परिचय)

Q. नर्सिंग की परिभाषा लिखिए।

Write down the definition of nursing.

उत्तर- नर्सिंग की परिभाषा (Definition of Nursing)

नर्सिंग (परिचर्या) वह सेवा है जिसमें रोगी को औषधि देना, मरीज की संपूर्ण देखभाल करना, रोगी के भौतिक व सामाजिक पर्यावरण की देखभाल करना शामिल है।

इसमें रोगों से बचाव व स्वास्थ्य की उन्नति की दृष्टि से व्यक्ति, परिवार एवं समाज को स्वास्थ्य-शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना सम्मिलित हैं।

इन्टरनैशनल कॉंसिल ऑफ नर्सिंग (International Council of Nursing) के अनुसार

नर्सिंग नर्स के द्वारा किया जाने वाला एक अनुपम कार्य है अर्थात् व्यक्ति (स्वस्थ या अस्वस्थ) के उन क्रियाओं को सम्पन्न करने में सहायता करना है जो उसके स्वास्थ्य की पुनःप्राप्ति में या शांतिपूर्ण मृत्यु में योगदान देती हैं एवं जिन क्रियाओं को वह इच्छाशक्ति, ज्ञान एवं बिना किसी को सहायता से स्वयं सम्पन्न करती है।

अमेरिकन नर्सेस असोसिएशन (American Nurses Association) के अनुसार

नर्सिंग का पेशा एक सोधी सेवा है जिसका लक्ष्य व्यक्ति, परिवार एवं समुदाय की स्वास्थ्य संबंधित आवश्यकताओं की पूर्ति करना है।

फ्लोरेंस नाइटिंगेल (Florence Nightingale) के अनुसार

नर्सिंग रोगी को एक ऐसी व्यवस्था में रखता है, जो प्रकृति के अनुरूप स्वास्थ्य को बनाए रखती है।

Nursing is the service which includes giving medicines to the patient, taking complete care of the patient, taking care of the physical and social

nursingyan.com

environment of the patient.

This includes providing health education and health services to the individual, family and society with a view to prevent diseases and improve health.

According to the International Council of Nursing

Nursing is a unique work done by a nurse, that is, to help a person (healthy or unhealthy) to perform those activities which are necessary for his recovery of health or peaceful death.

Contribution and the activities which she completes herself with willpower, knowledge and without anyone's help.

According to the American Nurses Association

The profession of nursing is a professional service whose goal is to meet the health-related needs of the individual, family and community.

According to Florence Nightingale, nursing keeps the patient in a system that maintains health in accordance with nature.

Q. नर्सिंग के सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

Explain the principles of nursing.

उत्तर- नर्सिंग के प्रमुख सिद्धांत निम्न प्रकार हैं-

The main principles of nursing are as follows-

1. सुरक्षा (Safety):

मरीज की शारीरिक व मानसिक आघातों से रक्षा करना एवं मरीजों की यांत्रिक (mechanical),

nursingyan.com

रासायनिक (chemical) और ऊष्मीय (thermal) आघातों से भी सुरक्षा करना।

To protect the patient from physical and mental shocks and also to protect the patients from mechanical, chemical and thermal shocks.

2. आराम (Comfort):

मरीज को आरामदायक स्थिति प्रदान करना चाहिए एवं मरीज की पीड़ा व कष्ट को दूर करना चाहिए जिससे मरीज को संतुष्टि (satisfaction) प्राप्त हो।

The patient should be provided comfortable conditions and the pain and suffering of the patient should be removed so that the patient gets satisfaction.

3. उपचारात्मक प्रभावशीलता (Therapeutic Environment):

मरीज की देखभाल के प्रभाव के बारे में सोचकर ही वह कार्य करना चाहिये और उपचार के लिये जो प्रक्रिया की गई उसके लक्ष्य को प्राप्त (achieve) करना चाहिए जिससे मरीज को स्वास्थ्य लाभ हो सके।

The work should be done only after thinking about the effect of the patient's care and the goal of the procedure done for treatment should be achieved so that the patient can get health benefits.

4. संसाधनों का प्रयोग (Use of Resources):

मरीज की देखभाल करते समय साधनों की उपयोगिता सही तरीके से होनी चाहिए। समय, शक्ति व सामग्री का सही उपयोग करना चाहिए जिससे सही इस्तेमाल से समय एवं शक्ति की बचत की जा सके।

While taking care of the patient, the resources should be utilized properly. Time, energy and material should be used properly so that time and energy can be saved through proper use.

nursingguan.com

5. अच्छा काम (Good Workmanship):

नर्सिंग एक कला है अर्थात् आप जो काम कर रहे हैं, उसे कैसे कर रहे हैं और उसका कितना ज्ञान है। किसी कार्य को अच्छा करने की कला को अच्छा काम कहते हैं।

Nursing is an art i.e. the work you are doing, how you are doing it and how much knowledge you have about it. The art of doing any work well is called good work.

6. वैयक्तिकता (Individuality):

किसी प्रक्रिया को करते समय रोगी की समस्याओं एवं आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर उनका समाधान करना चाहिए।

While performing any procedure, the problems and needs of the patient should be kept in mind and their solution should be done.

Q. फ्लोरेंस नाइटिंगेल के बारे में लिखें।

Write about Florence Nightingale.

उत्तर- फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग का जन्मदाता भी कहा जाता है

(Miss Florence Nightingale has been called "The founder of Modern Nursing.")।

फ्लोरेन्स नाइटिंगेल का जन्म 12 मई 1820, को इटली में हुआ था वह अंग्रेज माता-पिता की दूसरी बेटी थीं, उन्हें भाषा (language), दर्शनशास्त्र (philosophy) का काफी अच्छा ज्ञान था एवं वह काफी उदार (liberal) थीं।

उन्होंने अपने माता-पिता के विरूद्ध जाकर नर्सिंग क्षेत्र में कदम रखा, उन्हें अनुभव हुआ कि परमात्मा ने उन्हें दया के मिशन पर भेजा है तदुपरांत उन्होंने शिक्षा और नर्सिंग के विषय में सोचा एवं उन्हें नर्सिंग ही एक ऐसा क्षेत्र लगा कि जिसमें वह उत्तम कार्य कर सकती हैं।

सन् 1850 में जब वह 31 वर्ष की थी तब उन्होंने अपनी नर्सिंग ट्रेनिंग की शुरूआत कैसरवॉर्थ (Kaiserworth) में Deaconess Institute में की।

nursingguan.com

1853 में उन्होंने नर्सिंग ट्रेनिंग पूर्ण की। 1854 में Crimean war के बाद उन्होंने Military Hospital में अपनी सेवा देनी प्रारंभ की।

वहाँ उन्होंने मिलकर बड़े प्यार से, लगन से जख्मी सिपाहियों को नर्सिंग सेवा दी जिससे काफी सिपाहियों की जान बच सकी।

Miss Nightingale ने अपनी नर्सेस के साथ मिलकर एक round carrying oil lamp अपने हाथों में लेकर उन सिपाहियों के लिए भगवान से प्रार्थना की तभी से वह lady with the lamp के नाम से जानी जाती हैं, इसलिए ये नर्सिंग क्षेत्र (nursing profession) का प्रतीक चिन्ह (symbol) माना जाता है।

1860 में Nightingale ने नर्सेस शिक्षण स्कूल की स्थापना सेंट थॉमस हॉस्पिटल, लंदन में की थी।

यह नर्सेस शिक्षण के लिये सबसे पहला संगठित कार्यक्रम था।

फ्लोरेंस नाइटिंगल द्वारा सेंट थॉमस हॉस्पिटल के नर्सेस शिक्षण स्कूल में कुछ सिद्धांत स्थापित किए -

• नर्स को अस्पताल में ही नर्सिंग का प्रशिक्षण लेना होगा।

• नर्स को अपना चरित्र और अनुशासन बनाये रखने के लिये एक ही मकान में रहना होगा।

• नर्स को शिक्षा एक नर्स द्वारा ही प्रदान की जाए।

• शास्त्र एवं क्रियात्मक भाग (theory and practice) आपस में संबंधित होने चाहिये।

Florence Nightingale is also called the father of modern nursing.

(Miss Florence Nightingale has been called "The founder of Modern Nursing.").

Florence Nightingale was born in Italy on May 12, 1820.

She was the second daughter of English parents. She had very good knowledge of language, philosophy and was quite liberal. She went against

nursingguan.com

her parents and entered the field of nursing.

She felt that God had sent her on a mission of mercy. Thereafter, she thought about education and nursing and she felt that nursing was the only field in which she could do excellent work.

In 1850, when she was 31, she began her nursing training at the Deaconess Institute in Kaiserworth.

In 1853 she completed nursing training.

After the Crimean War in 1854, he started serving in the Military Hospital.

There, together with great love and dedication, they provided nursing services to the injured soldiers, which saved the lives of many soldiers.

Miss Nightingale, along with her nurses, took a round carrying oil lamp in her hands and Since she prayed to God for the soldiers, she is known as the lady with the lamp, hence it is considered a symbol of the nursing profession.

In 1860, Nightingale founded the Nurses' Teaching School at St. Thomas's Hospital, London.

This was the first organized program for teaching nurses. Some Principles in the School of Teaching Nurses at St. Thomas's Hospital by Florence Nightingale established-

• The nurse will have to take nursing training in the hospital itself.

• The nurse will have to live in the same house to maintain her character and discipline.

• Education to nurses should be provided by a nurse only.

• The science and practical part (theory and practice) should be related to each other.

nursinggyan.com

Q. नर्सिंग एक कला और विज्ञान है, समझाइए।

Nursing is an art and science, justify.

उत्तर- जिस प्रकार मानवीय आवश्ययकता भिन्न-भिन्न समय एवं अवस्थाओं में बदलती रही है, अत: नर्सिंग भी उसी के अनुरूप अपने उद्देश्यों एवं कार्यों में काफी विकसित हो गई है। आज नर्सिंग एक कला एवं विज्ञान के रूप में स्थापित हो गई है।

नर्सिंग एक कला (Nursing is an Art) -

कला का अर्थ है किसी वस्तु या वातावरण को साफ-सुथरा एवं सुसज्जित बनाना।

नर्सिंग एक ऐसी ही कला है जिसमें नर्स एक रोगी को उसकी बीमारी में साफ-सुथरा रखती है एवं व्यक्तिगत, मानसिक एवं सामाजिक रूप से संभालती है।

रोगी को अपना उपचार सही प्रकार से लेने के लिए मनाना, उसकी जीवन शैली को स्वस्थ बनाना एवं रोगी के व्यवहार में परिवर्तन लाना एक कला है जोकि नर्सिंग में उच्च गुण के साथ किया जाता है।

एक कला के रूप में नर्सिंग के लिए सहानुभूति से भरा हुआ हृदय एवं कार्य करने की तीव्र इच्छा से युक्त कर्मठ हाथ होना आवश्यक है।

नर्सिंग एक विज्ञान (Nursing is a Science) -

फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने नर्सिंग को एक वैज्ञानिक ढाँचा प्रदान किया है.

आज नर्सिंग की सभी विधियां एवं कार्य, वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित होते हैं।

नर्स न सिर्फ रोगी की देखभाल करती है बल्कि वह रोगी की देखभाल में वैज्ञानिक सिद्धांतों का प्रयोग भी करती है।

नर्स न सिर्फ सामाजिक ज्ञान का उपयोग करती है बल्कि तथ्य आधारित अभ्यास का प्रयोग भी करती है।

Just as human needs have been changing in different times and situations, nursing has also evolved a lot in its objectives and functions accordingly.

Today nursing has been established as an art and science.

nursingguyan.com

Nursing is an Art - Art means keeping an object or environment clean and equipped.

Make Nursing is one such art in which a nurse keeps a patient clean during his illness and provides personal, mental and Manages socially.

Convincing the patient to take his treatment properly, making his lifestyle healthy and bringing about change in the patient's behavior is an art which is done with high quality in nursing.

Nursing as an art requires a heart full of sympathy and hard-working hands with a strong desire to work.

Nursing is a Science -

Florence Nightingale has provided a scientific framework to nursing.

Today all the methods and tasks of nursing are based on scientific principles.

The nurse not only takes care of the patient but she also applies scientific principles in the care of the patient.

The nurse uses not only social knowledge but also fact-based practice.

Q. फ्लोरेंस नाइटिंगेल शपथ को लिखिए।

Write down the Florence Nightingale Pledge.

उत्तर- फ्लोरेंस नाइटिंगेल शपथ (The Florence Nightingale Pledge.)

मैं ईश्वर को साक्षी मानकर इस सभा के समक्ष सत्यनिष्ठापूर्वक ये शपथ लेती हूँ कि :

• मैं अपने जीवन में नैतिकता के उच्च आदर्शों का पालन करूँगी ताकि मेरे व्यवसाय की गरिमा व प्रतिष्ठा में उन्नति हो।

• मैं सदैव नर्सिंग सेवा एवं आचरण का सर्वोत्तम स्तर बनाकर रखूँगी।

• मैं अपने रोगियों के धार्मिक विश्वास एवं धार्मिक विधियों का सदैव आदर करूँगी।

nursingyan.com

• मुझे सौंपी गई समस्त व्यक्तिगत व पारिवारिक जानकारियाँ मेरे पास सुरक्षित रहेंगी।

• मैं चिकित्सक के कार्यों में सहायता करूँगी व चिकित्सक के आदेशों का सदैव ईमानदारी से पालन करूंगी।

• मैं नर्सिंग के मूलभूत उत्तरदायित्व, स्वास्थ्य की उन्नति एव पुनर्स्थापना, बीमारियों की रोकथाम व बचाव एवं पीड़ा से मुक्ति को निभाने का सर्वात्तम प्रयास करूंगी।

With God as my witness, I solemnly swear before this House that:

• I will follow high ideals of morality in my life so that the dignity and reputation of my business improves.

• I will always maintain the best standards of nursing service and conduct.

• I will always respect the religious beliefs and religious practices of my patients.

• All personal and family information entrusted to me will remain safe with me.

• I will assist the doctor in his work and will always follow the doctor's orders honestly.

• I will do my best to fulfill the fundamental responsibilities of nursing, promotion and restoration of health, prevention and cure of disease, and relief from pain.

Q. नर्स का अर्थ लिखिए एवं नर्स के गुण लिखिए।

Write down the meaning of nurse and write the qualities of nurse.

उत्तर- नर्स का अर्थ (Meaning of Nurse) नर्स या परिचारिका का अर्थ है कि रोगी की सेवा-सुश्रुषा करना। नर्स के प्रत्येक अक्षर का अपना मतलब है-

Nurse or nurse means providing care to the patient. nurse's each letter has its own meaning-

nursingguan.com

N - Nobility. **श्रेष्ठता**

U - Understanding. **समझदारी**

R - Responsibility. **उत्तरदायित्व**

S - Sympathy. **सहानुभूति**

E - Efficiency. **कार्यक्षमता**

व्यवसायिक नर्स का अर्थ (Meaning of Professional Nurse) -

व्यवसायिक नर्स वह होती है जिसने किसी मान्यता प्राप्त नर्सिंग स्कूल या कॉलेज से डिग्री अथवा डिप्लोमा प्राप्त किया हो एवं सम्बन्धित नर्सिंग कॉंसिल से रजिस्टर्ड हो।

A professional nurse is one who has obtained a degree or diploma from a recognized nursing school or college and is registered with the concerned Nursing Council.

नर्स के गुण (Qualities of Nurse) एक नर्स में निम्नलिखित गुण होने चाहिए-

A nurse should have the following qualities-

1. नर्स को अपने साथियों के प्रति स्नेहपूर्ण होना चाहिए।
2. नर्स को ईमानदार होना चाहिए।
3. नर्स को अनुशासन एवं आज्ञापालन होना चाहिये।
4. नर्स में धैर्य होना चाहिए।
5. नर्स का स्वस्थ मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य होना चाहिए।
6. नर्स समझदार होनी चाहिए।
7. नर्स में जिम्मेदारी की भावना होनी चाहिए।
8. नर्स को व्यवहारिक ज्ञान होना चाहिए।

nursingguan.com

9. नर्स में शालीनता एवं गरिमा होनी चाहिए।

10. नर्स को ईमानदार व निष्ठावान होना चाहिए।

11. नर्स में निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए।

12. नर्स को मनोवैज्ञानिक ज्ञान होना चाहिए।

13. नर्स में तकनीकी योग्यता होनी चाहिए।

14. नर्स में सहानुभूति एवं व्यवहार कुशलता होनी चाहिए।

1. The nurse should be affectionate towards his colleagues.

2. The nurse should be honest.

3. The nurse should have discipline and obedience.

4. The nurse should have patience.

5. The nurse should have healthy mental and physical health.

6. The nurse should be intelligent.

7. The nurse should have a sense of responsibility.

8. The nurse should have practical knowledge.

9. A nurse should have decency and dignity.

10. The nurse should be honest and loyal.

11. The nurse should have the ability to take decisions.

12. The nurse should have psychological knowledge.

13. The nurse should have technical qualifications.

14. The nurse should have empathy and practical skills.

nursinggyan.com

Q. नर्स के प्रमुख कार्यों का वर्णन कीजिए।

Explain the main functions of a nurse.

उत्तर- नर्स के प्रमुख कार्य निम्न प्रकार हैं-

The main functions of a nurse are as follows-

1. देखभाल करने वाली (Caregiver)-

नर्स देखभाल के रूप में रोगी के ईलाज के समय रोगी के साथ रहती है और डॉक्टर द्वारा लिखित दवाईयाँ रोगी को देती है तथा रोगी की दवा के प्रभाव का परीक्षण भी करती है और तो और रोगी की सभी स्वास्थ्य सम्बन्धित आवश्यकताओं की पूर्ति करती है।

The nurse stays with the patient during his treatment as a caregiver and gives the medicines prescribed by the doctor to the patient and also tests the effect of the patient's medicine and also keeps track of all the patient's health. Fulfills health related needs.

2. शिक्षक के रूप में (Educator)-

नर्स का शिक्षक होना बहुत जरूरी होता है ताकि वह छात्र-छात्राओं व रोगी एवं उसके परिवार को शिक्षा देने में अपना योगदान कर सके। नर्स रोगी व रोगी के परिवार को स्वास्थ्य सम्बन्धित शिक्षा देती है और रोगों से बचाव के बारे में भी सिखाती व समझाती है। एक प्रशिक्षित नर्स शिक्षार्थी (student) नर्स को प्रक्रिया (procedure) के बारे में समझाती है।

It is very important for a nurse to be a teacher so that she can contribute in imparting education to the students and the patient and his family. The nurse provides health related education to the patient and the patient's family and also teaches and explains about prevention of diseases. A trained nurse explains the procedure to the student nurse.

3. प्रबंधक के रूप में (Manager)

रोगी की देखभाल के लिये सभी आवश्यक साधनों की व्यवस्था एक नर्स करती है तथा वार्ड में सही माहौल बनाकर रखती है।

As a manager, a nurse arranges all the necessary resources for the care of the patient and maintains the right environment in the ward.

nursingyan.com

4. विचारों की संप्रेक्षक के रूप में (Communicator)-

नर्स रोगी की सभी तरह की आवश्यकताओं एवं स्थिति के बारे में अपने रोगी व चिकित्सक दल तथा परिवार के सदस्यों के बीच में एक सेतू की तरह कार्य करती है।

The nurse acts as a bridge between the patient and the medical team and family members regarding all types of needs and condition of the patient.

5. शोधकर्ता के रूप में (Researcher)-

नर्स रोगी के रोग के निदान (diagnose) में चिकित्सक की सहायता करती है।

The nurse helps the doctor in diagnosing the patient's disease.

6. अधिवक्ता के रूप में (Advocate)-

नर्स अपने रोगी की सुरक्षा के लिये एक विधि विषेशज्ञ की तरह कार्य करती है। जैसे रोगी को सुरक्षित वातावरण प्रदान करती है।

The nurse works like a legal expert for the safety of her patient. Like provides a safe environment to the patient.

7. सलाहकार के रूप में (Counsellor) -

नर्स सभी प्रकार की समस्या को समझने व सुलझाने में रोगी की मदद करती है। रोगी को निर्णय लेने में सहायता प्रदान करती है।

The nurse helps the patient in understanding and solving all types of problems.Provides assistance to the patient in decision making.

8. पुर्नवासन में सहायक (Rehabilitation)-

नर्स रोगी को समाज में पुर्नस्थापित करने में योगदान देती है तथा परिवार में स्थापित होने व अपनी जीविका कमाने लायक बनाने में मदद करती है।

The nurse contributes in rehabilitating the patient in the society and helps in establishing himself in the family and making him capable of earning his living.

9. नर्स एक प्रशासक (administrator)

nursingguan.com

नर्स एक प्रशासक के रूप में भी काम करती है।

The nurse also works as an administrator.

10. समन्वयक (co-ordinator) के रूप में भी एक नर्स का योगदान होता है।

A nurse also contributes as a co-ordinator.

11. नर्स पर्यवेक्षक (observer) की भूमिका भी निभाती है।

The nurse also plays the role of observer.

12. नर्स रोगी को सुरक्षा भी प्रदान करती है।

The nurse also provides security to the patient.

Q. नर्स के लिए आवश्यक व्यवसायिक शिष्टाचार का वर्णन कीजिए।

Explain the necessary professional etiquettes for nurses.

उत्तर- नर्स में निम्नलिखित व्यवसायिक शिष्टाचार उपस्थिति होना चाहिए-

A nurse should have the following professional etiquette-

1. नर्स को हमेशा विनम्रता से रहना चाहिए।

2. नर्स को अपने सीनियर, सहकर्मी व रोगी (patient) के लिये समय के अनुसार आदर सूचक शब्द का प्रयोग करना चाहिये जैसे गुड़मोर्निंग, गुड़ईवनिंग etc.

3. नर्स को अपने सीनियर को सर या मैडम कहकर पुकारना चाहिये।

4. जब कोई बड़ा व्यक्ति उनके रूम में आये तो नर्स को खड़े होकर सम्मान देना चाहिये।

5. जब क्लास में कोई उत्तर (answer) दें तो हमेशा खड़े होकर देना चाहिये।

nursinggyan.com

6. जब कोई सीनियर आ रहे हों तो उनके लिये दरवाजा खोल कर साइड में खड़े हो जाना चाहिये।

7. जब किसी सीनियर व्यक्ति से आगे निकलना हो तो उनसे क्षमा मांगनी चाहिये।

8. अगर कोई सीनियर आते दिखाई दें तो उनके रास्ते से हट जाना चाहिये जैसे सीड़ियों (stairs) पर या कॉरीडोर में।

9. नर्स को हमेशा साफ व स्वच्छ रहना चाहिये।

10. नर्स जब duty पर हो तब किसी भी प्रकार के आभूषण प्रयोग में नही लाने चाहिए।

11. अपने से बड़ों का आदर करना चाहिये।

12. अगर हमें अपने सीनियर किसी भी भारी सामान के साथ दिखाई देते हैं तो हमे उनकी मदद करनी चाहिये।

13. नर्स को किसी भी सवाल का जवाब (answer) देने में देर नहीं करनी चाहिए।

14. नर्स को समय का पाबंद (punctual) होना चाहिये।

1. The nurse should always be polite.

2. The nurse should use words of respect for her seniors, colleagues and patients as per the time such as good morning, good evening etc.

3. Nurses should address their seniors as Sir or Madam.

4. When an elder person comes to their room, the nurse should stand up and show respect.

5. When giving an answer in class, one should always give it while standing.

6. When a senior is coming, you should open the door for him and stand to the side.

7. When you have to overtake a senior person, you should apologize to him.

8. If you see a senior coming, you should move out of his way, such as on the stairs or in the corridor.

nursingguan.com

9. A nurse should always remain neat and clean.

10. Any kind of jewelery should not be used when the nurse is on duty.

11. One should respect one's elders.

12. If we see our seniors with any heavy luggage, we should help them.

13. The nurse should not delay in answering any question.

14. The nurse should be punctual.

Q. नर्सिंग में विकास की क्या संभावनाएं हैं?

What are the scopes of development in nursing?

उत्तर- नर्सिंग के विकास (Scope of Nursing) -

नर्सिंग में कार्य क्षेत्र (Functional Area in Nursing).	**अवधि** (Duration)	**योग्यता** (Qualification)
1. ऑक्सिलरी नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (ANM)	1½ वर्ष	दसवीं पास
2. जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (GNM).	3 वर्ष	बारहवीं पास
3. बेसिक बी.एससी. नर्सिंग (Basic B.Sc. Nursing)	4 वर्ष.	बारहवीं पास
4. पोस्ट बेसिक बी.एससी. नर्सिंग (Post Basic B.Sc. Nursing).	2 वर्ष.	जी.एन.एम
5. एम.एससी नर्सिंग (M.Sc. Nursing).	2 वर्ष	बी.एससी. नर्सिंग

nursinggyan.com

6. पीएच.डी. नर्सिंग (Ph.D. Nursing). एम.एससी.

Q. नर्सिंग के नैतिक पहलू का वर्णन कीजिए।

Explain the ethical aspect of nursing.

उत्तर- नर्सिंग के नैतिक पहलू (Ethical Aspect of Nursing) -

"नीति" शब्द की उत्पत्ति ग्रीक शब्द इथोस (ethos) से हुई है जिसका अर्थ है विश्वास, रीतिरिवाज एवं आस्थाएँ।

नीति वह नियम व सिद्धांत होते हैं जो कि एक अच्छे आचरण को निश्चित करते हैं एवं दर्शाते हैं कि क्या अच्छा है और क्या बुरा है? नीतिशास्त्रीय नियम (ethical rules) मानव अधिकारों की रक्षा के लिए बनाये गये हैं।

The word "ethics" originates from the Greek word ethos which means belief, customs and beliefs. Ethics are those rules and principles that determine good conduct and show what is good and what is bad. Ethical rules have been made to protect human rights.

आचार संहिता (Code of Ethics) -

आचार संहिता, सिद्धांतों का वह समूह होता है जिसे व्यवसाय के सभी सदस्य स्वीकार करते हैं।

जब व्यक्ति किसी भी व्यवसाय को अपनाता है तो उसे उसी व्यवसाय की आचार संहिता भी अपनानी पड़ती है तथा उसे निभाने की पूरी जिम्मेदारी भी लेता है।

नर्सिंग के लिए आचार संहिता को सन् 1973 में इन्टरनेशनल कॉन्सिल ऑफ नर्सेस (International Council of Nurses, I.C.N.) के द्वारा जारी किया गया था।

इसके कुछ मुख्य तत्व हैं जिनमें आचरण पर बल दिया गया है जैसे-

A code of conduct is a set of principles that all members of a business accept.

When a person adopts any business, he has to adopt the code of conduct

nursingjan.com

of that business and also takes full responsibility for following it.

The Code of Ethics for Nursing was issued by the International Council of Nurses (I.C.N.) in 1973. It has some main elements in which conduct is emphasized such as-

1. नर्स और जनता (Nurse and People) -

इसमें रोगी की बीमारी में देखभाल करना नर्स की सबसे पहली जिम्मेदारी होती है।

नर्स रोगी की देखभाल के साथ-साथ उसके धर्म, रीति-रिवाज व अंर्तात्मिक विश्वास का भी सम्मान करती है। नर्स को रोगी के ऊपर किसी भी प्रकार का निर्णय नही थोपना चाहिये।

In this, the first responsibility of the nurse is to take care of the patient during his illness. Along with taking care of the patient, the nurse also respects his religion, customs and inner beliefs. The nurse should not impose any kind of decision on the patient.

2. नर्स और चिकित्सा कार्य (Nurse and Practice)-

नर्सिंग में नर्स के द्वारा किए जाने वाले कार्य की जिम्मेदारी व जबावदेही उसकी खुद की होती है इसलिये नर्स को चिकित्सा कार्य के दौरान अपने स्वास्थ्य के साथ-साथ रोगी का भी पूरा ध्यान रखना चाहिये।

नर्स को चिकित्सक कार्य में उच्चतम मानक रोगी की सेवा को बनाना चाहिये।

In nursing, the responsibility and accountability of the work done by the nurse is her own, therefore, during the medical work, the nurse should take full care of her health as well as that of the patient.

The nurse must maintain the highest standards of patient care in medical practice.

3. नर्स और व्यवसाय (Nurse and Profession)-

nursingguru.com

नर्स को अपने व्यवसाय में ईमानदारी व लगन से कार्य करना चाहिये तथा अलग-अलग क्षेत्र में कार्य करते हुए सेवा का स्तर बनाए रखना चाहिये।

नर्स रोगी की सेवा के साथ-साथ रोगी को बीमारी के बारे में शिक्षा प्रदान करती है।

Nurse should work with honesty and dedication in her profession and maintain the level of service while working in different fields.

The nurse provides patient care as well as education to the patient about the disease.

4. नर्स और सह कर्मचारी (Nurse and Co-worker) -

नर्स अपने साथ काम करने वाले सभी व्यक्तियों के साथ एक सहयोगी संबंध बनाए रखती है।

सहकर्मियों के कार्य में उनकी मदद भी करती है और उनकी गलतियों को बचाने के लिये सही action भी लेती है।

The nurse maintains a cooperative relationship with all the persons working with her.

She also helps her colleagues in their work and also takes appropriate action to save them from their mistakes.

Q. अस्पताल को परिभाषित कीजिए एवं इसके प्रमुख कार्य लिखिए।

Define hospital and write down its main functions.

उत्तर- अर्थ (Meaning) -

अस्पताल (hospital) शब्द की उत्पत्ति लेटिन शब्द होसपिटेलिस (hospitalis) से हुई है जो होसपेस (hospes) शब्द से आया है जिसका अर्थ है "मेजबान (Host)।"

अस्पताल वह स्थान होता है जहाँ रोगी को चौबीस घंटे, दिन व रात, महीने व सालों तक रख कर उसका इलाज किया जाता है जब तक कि वह ठीक न हो।

रोगी के लिये अस्पताल का वातावरण इस तरह बनाया जाता है।

nursingyan.com

जिससे कि उसके स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव पड़े और वह जल्दी ठीक होकर अपने घर लौट सके। अस्पताल में सभी तरह की सुविधाएँ रोगी को प्राप्त होती हैं।

The word hospital originates from the Latin word hospitalis which comes from the word hospes which means "host."

Hospital is the place where the patient is kept and treated 24 hours a day, day and night, for months and years, until he is cured.

This is how the hospital environment is created for the patient.

So that it has a good effect on his health and he can recover soon and return to his home.

The patient gets all kinds of facilities in the hospital.

परिभाषा (Definition) -

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार अस्पताल किसी सामाजिक एवं चिकित्सा संबंधी संगठन का एक अभिन्न भाग होता है जिसका कार्य जनता को उपचारात्मक एवं निरोधक दोनों ही प्रकार की सम्पूर्ण सेवा प्रदान करना है तथा जिसकी बाह्य रोगी सेवाएँ, परिवार व घरेलू पर्यावरण तक पहुँचती हों।

अस्पताल स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं जैव सामाजिक अनुसंधानों के लिये एक केन्द्र की है।

According to the World Health Organization, a hospital is an integral part of a social and medical organization whose function is to provide complete services, both curative and preventive, to the public and which extends to out-patient services, family and home environment. Are reaching.

The hospital is a center for training of health workers and bio-social research.

अस्पताल के कार्य (Function of Hospital) - अस्पताल के कुछ प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं-

Following are some of the major functions of the hospital-

nursingyan.com

1. बीमारी से बचाना (Prevention from disease)

2. स्वास्थ्य की पुर्नस्थापना (Rehabilitation)

3. स्वास्थ्य की उन्नति (Promotion of health)

4. रोगों का इलाज व निदान करना (Diagnose and treatment of disease)

5. रोगी की देखभाल करना (Care of the patient)

6. घायलों की देखभाल करना (Care of the injured)

7. बाह्य रोगी सेवाएँ (Outpatient services)

8. मरीज को भर्ती करने की सेवाएँ (In-Patient services)

9. मेडिकल एवं नर्सिंग अनुसंधान करना (Doing Medical and Nursing Research)

10. प्रोफेशनल लोगों को प्रशिक्षण (Training for professionals)

Q. अस्पताल का वर्गीकरण कीजिए।

Classify the hospital.

उत्तर- अस्पताल का वर्गीकरण अनेक प्रकार से किया जा सकता है जैसे-

Hospitals can be classified in many ways like-

I. पलंग की क्षमता के आधार पर (According to the capacity of bed)

1. वृहत अस्पताल (Large Hospital) -

300 से 1000 पलंग की क्षमता वाले अस्पताल बृहत अस्पताल कहलाते हैं इन्हें "A" ग्रेड अस्पताल भी कहा जाता है।

Hospitals with a capacity of 300 to 1000 beds are called large hospitals. They are also called "A" grade hospitals.

nursinggyan.com

2. मध्यम अस्पताल (Medium Size Hospital) कहलाते हैं।

इन्हें "B" ग्रेड अस्पताल भी कहा जाता है। 100 से 300 पलंगों की क्षमता वाले अस्पताल, मध्यम अस्पताल

Called medium size hospital. These are also called "B" grade hospitals. Hospitals with capacity of 100 to 300 beds, medium hospitals.

3. लघु आकार अस्पताल (Small Size Hospital) कहलाते हैं। इन्हें "C" ग्रेड अस्पताल भी कहा जाता है। 100 पलंगों से कम संख्या वाले अस्पताल, लघु अस्पताल

It is Called small size hospital. These are also called "C" grade hospitals. Hospitals with less than 100 beds, mini hospitals.

II. पलंगों की शक्ति के अनुसार (According to Bed Strength) -

1. शिक्षा वाले अस्पताल (Teaching Hospital) - 500 पलंग से अधिक क्षमता वाले शिक्षा अस्पताल कहलाते हैं जो मेडीकल कॉलेज से सम्बन्धित होते हैं।

Those with a capacity of more than 500 beds are called teaching hospitals which are related to medical colleges.

2. जिला अस्पताल (District Hospital) - 200 से 300 पलंगों की क्षमता वाले जिला अस्पताल कहलाते हैं।

Those with a capacity of 200 to 300 beds are called district hospitals.

3. तहसील अस्पताल (Tehsil Hospital) - 50 से 200 पलंगों की क्षमता वाले अस्पताल तहसील अस्पताल कहलाते हैं।

Hospitals with a capacity of 50 to 200 beds are called Tehsil Hospital.

nursingyan.com

4. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (Community Health Centre, CHC) - 30 से 50 पलंगों की क्षमता वाले CHC अस्पताल कहलाते हैं।

CHCs with a capacity of 30 to 50 beds are called hospitals.

5. प्रारम्भिक स्वास्थ्य केन्द्र (Primary Health PHC) स्वास्थ्य केन्द्र कहलाते हैं। 6 से 10 पलंग की क्षमता वाले स्वास्थ्य केन्द्र प्रारम्भिक

Primary Health Center (PHC) are called health centres. Health centers with capacity of 6 to 10 beds initial.

III. नियंत्रण के आधार पर (According to the ownership or control)-

1. धर्मार्थ (Charitable) - ये non-profitable अस्पताल होते हैं यह लोगों की सेवा के लिये चलाये जाते हैं जो समाजसेवियों व दानदाताओं के नियंत्रण में होते हैं।

These are non-profitable hospitals, they are run to serve the people and are under the control of social workers and donors.

2. जनता व सरकारी अस्पताल (Public or Govt. Hospital) - इन अस्पतालों का पूरा नियंत्रण सरकार द्वारा किया जाता है।

These hospitals are completely controlled by the government.

3. सामूहिक अस्पताल (Co-operative or Non-Govt Hospital) - यह अस्पताल बड़े-बड़े औद्योगिक घरानों के द्वारा चलाए जाते हैं। जिनका मुख्य उद्देश्य पैसा कमाना होता है इन्हें व्यापारिक रूप से चलाया जाता है।

These hospitals are run by big industrial houses. Whose main objective is to earn money, they are run commercially.

nursingguan.com

IV. उद्देश्य की दृष्टि से (According to the objectives) -

1. शैक्षणिक एवं शोध अस्पताल (Teaching cum Research Hospital)- इन अस्पतालों का मूल उद्देश्य शोध एवं अनुसंधान होता है। जिसमें औषधि निर्माण, दन्त चिकित्सा आदि की शिक्षा दी जाती है इनके साथ मेडिकल कॉलेज संलग्न होता है।

The basic objective of these hospitals is teaching and research. In which education in medicine manufacturing, dentistry etc. is given and a medical college is attached to it.

2. सार्वजनिक अस्पताल (General Hospital)- इन अस्पतालों में सभी प्रकार के सामान्य रोगों का इलाज किया जाता है इसके द्वारा हर प्रकार के रोगों की सेवा प्रदान की जाती है।

These types of common diseases are treated in these hospitals, through which services for all types of diseases are provided.

3. विशेष अस्पताल (Specialized Hospital) - ऐसे अस्पतालों में विशेष रोग का ईलाज किया जाता है जैसे- आँखों का अस्पताल, टी.बी का अस्पताल आदि।

Special diseases are treated in such hospitals like eye hospital, TB hospital etc.

4. पृथकता वाले अस्पताल (Isolation Hospital) - ऐसे अस्पतालों में छूत के रोग व संक्रमण वाले रोगों के रोगियों को रखा जाता है जिससे कि ये बीमारी किसी स्वस्थ व्यक्ति को न हो सके। जैसे- महामारी के रोगी।

In such hospitals, patients suffering from contagious diseases and infectious diseases are kept so that these diseases cannot be passed on to any healthy person. Like- epidemic patients.

V. चिकित्सा प्रणाली के आधार पर (According to the system of medicine) -

nursingguan.com

1. ऐलोपैथिक अस्पताल (Allopathic Hospital)

2. होम्योपैथिक अस्पताल (Homeopathic Hospital)

3. आयुर्वेदिक अस्पताल (Ayurvedic Hospital)

4. यूनानी अस्पताल (Unani Hospital)

5. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अस्पताल (Yoga and Nature Care Hospital)

Q. नर्सिंग में परिपूर्ण दृष्टिकोण से क्या आशय है?

What is holistic approach to nursing?

उत्तर- परिपूर्ण या होलिस्टिक (holistic) शब्द ग्रीक शब्द "holos" से उत्पन्न हुआ है जिसका अर्थ होता है, पूरा (whole) अर्थात् सम्पूर्ण बनाना।

परिपूर्ण स्वास्थ्य मतलब व्यक्ति का शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक, बौद्धिक रूप से स्वस्थ होना एवं व्यक्ति के आसपास का वातावरण भी स्वस्थ होना।

परिपूर्ण स्वास्थ्य शरीर, मन एवं आत्मा को बराबर बनाए रखता है।

व्यक्ति का दिमागी रूप से स्वस्थ्य होना अति आवश्यक होता है क्योंकि सोच के अनुसार ही अपने स्वास्थ्य को स्वस्थ्य रख सकता है परिपूर्ण पहुँच से हम रोगों को रोगी से दूर कर सकते हैं एवं उसे स्वस्थ रख सकते हैं।

होलिस्टिक नर्सिंग, नर्स द्वारा दी जाने वाली ऐसी देखभाल या सेवा है जिससे मरीज की सम्पूर्ण देखभाल की जाती है।

होलिस्टक नर्सिंग में मरीज को न केवल बीमारी का उपचार करने के लिये देखभाल प्रदान की जाती है बल्कि उसके सम्पूर्ण व्यक्तित्व की देखभाल भी की जाती है। जिससे वह शीघ्र स्वस्थ हो सके।

अमेरिकन होलिस्टिक नर्सेस ऐसोसिएशन (American Holistic Nurses Association) के अनुसार

होलिस्टिक नर्सिंग में वे सभी नर्सिंग अभ्यास शामिल हैं जो एक व्यक्ति को उपचार के दौरान सम्पूर्ण रूप से प्रदान की जाती है।

nursingjan.com

एक होलिस्टिक नर्स केवल साधारण शारीरिक लक्षणों के आधार पर ही बीमारी का उपचार नहीं करती अपितु मानसिक, शारीरिक, आध्यात्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, संबंधात्मक और पर्यावरणीय आधार पर मरीज के सम्पूर्ण देखभाल प्रदान करती है।

The word holistic is derived from the Greek word "holos" which means to make whole.

Complete health means a person being physically, mentally, spiritually, intellectually healthy and the environment around the person also being healthy.

Perfect health maintains body, mind and soul in equal condition.

It is very important for a person to be mentally healthy because only according to his thinking, he can keep his health healthy. With complete access, we can remove diseases from the patient and keep him healthy.

Holistic nursing is the care or service provided by a nurse that provides complete care to the patient.

In holistic nursing, care is not only provided to the patient to treat his disease but his entire personality is also taken care of. So that he can get well soon.

According to the American Holistic Nurses Association, holistic nursing includes all nursing practices that provide holistic care to a person.

A holistic nurse does not treat disease based only on simple physical symptoms but provides holistic care to the patient based on mental, physical, spiritual, social, cultural, relational and environmental basis.

Q. स्वास्थ्य को परिभाषित कीजिए एवं स्वस्थ व्यक्ति के लक्षण लिखिए।

Define the health and write the characteristics of healthy person.

उत्तर- स्वास्थ्य जीवन का एक महत्वपूर्ण गुण है। स्वस्थ स्वास्थ्य वह स्थिति कहलाती है जिसमें व्यक्ति अपनी जरूरतों को पूरा करता है, तनाव से मुक्त रहता है व प्रत्येक समस्या को सुलझाने की

nursinggyan.com

क्षमता रखता है एवं हमेशा प्रसन्न रहता है, वह व्यक्ति पूर्ण रूप से स्वस्थ व्यक्ति कहलाता है।

Health is an important quality of life.

Healthy health is called that condition in which a person completes his tasks, remains free from stress and has the ability to solve every problem and is always happy, that person is called a completely healthy person.

परिभाषा (Defination) -

विश्व स्वास्थ्य संगठन (World Health Organisation, W.H.O.) के अनुसार स्वास्थ्य • पूरी तरह से शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक तंदरूस्ती की स्थिति है, केवल रोग या बीमारी का अभाव नही।

According to W.H.O - Health is a state of complete physical, mental, social and spiritual well being and not merely an absence of disease and infirmity.

स्वस्थ्य व्यक्ति के लक्षण (Characteristics of a Healthy Person) -

स्वस्थ व्यक्ति के लक्षण निम्नलिखित हैं-

Following are the characteristics of a healthy person-

1. शरीर की बनावट आकर्षक तथा त्वचा चमकदार होती है।

2. शरीर की पाचन क्रिया सामान्य होती है।

3. शरीर के सभी अंग, उम्र, वजन तथा लम्बाई में सामान्य होते हैं।

4. शरीर में अधिक वसा नहीं होता।

5. शरीर न ज्यादा दुबला और न ज्यादा पतला होता है।

6. व्यक्ति की भूख व नींद का पैटर्न सामान्य होता है।

7. शरीर के सभी अंग तथा तंत्र संरचनात्मक (anatomically) तथा कार्यात्मक (physiologically) रूप से सामान्य होते हैं।

nursingguru.com

8. व्यक्ति के जैविक चिन्ह सामान्य होते हैं। जैसे-

तापमान (Temperature). = 98.6° F

हृदय धडकन की दर (Heart beat). = 72 beat/min

श्वसन दर (Respiration rate). = 16-20 breath/min

रक्त दाब (Blood pressure) =. 120/80 mmHg

9. व्यक्ति की नियमित दिनचर्या तथा आदतें अच्छी पाई जाती हैं।

10. व्यक्ति का जीवन संतोषी तथा अनुशासित होता है।

1. The body structure is attractive and the skin is shiny.

2. The digestive system of the body is normal.

3. All body parts are normal in age, weight and height.

4. There is not much fat in the body.

5. The body is neither too lean nor too thin.

6. The person's appetite and sleep pattern are normal.

7. All organs and systems of the body are structurally (anatomically) and functionally (physiologically) normal.

8. The biological signs of the person are normal. As-

9. The person's regular routine and habits are found to be good.

10. A person's life is content and disciplined.

Q. स्वास्थ्य के निर्धारक तत्व कौन-कौन से होते हैं?

What are the determinants of health?

nursingguan.com

उत्तर- स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कई कारक होते हैं, सामाजिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक कारकों के अतिरिक्त कई और निर्धारकों का भी स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

स्वास्थ्य के कुछ महत्वपूर्ण निर्धारकों का वर्णन निम्न प्रकार से है:-

There are many factors affecting health, apart from social, mental and spiritual factors, many other determinants also have a deep impact on health. Some important determinants of health are described as follows:-

1. जैविक निर्धारक (Biological Determinants)

व्यक्ति के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर जैविक कारक सीधा प्रभाव डालते हैं। जैसे- व्यक्ति के स्वास्थ्य पर आनुवांशिकी (hereditary) निर्धारक का प्रभाव पड़ता है।

आनुवांशिकी में एक पीढ़ी (generation) से दूसरी पीढ़ी में बीमारी पहुँचना जैसे मानसिक दुर्बलता, मधुमेह (diabetes), हाइपरटेंशन (hypertension), अवसाद (depression)।

इस प्रकार स्पष्ट होता है कि व्यक्ति का स्वास्थ्य कुछ हद तक आनुवांशिक संगठन पर निर्भर करता है।

Biological factors have a direct impact on the physical and mental health of a person. For example, hereditary determinants have an impact on a person's health.

In genetics, diseases are transmitted from one generation to the next, such as mental weakness, diabetes, hypertension, depression.

Thus it becomes clear that a person's health depends to some extent on the genetic organization.

2. पर्यावरणीय निर्धारक (Environmental Determinants)

पर्यावरण का व्यक्ति परिवार एवं समुदाय पर तथा उनके स्वास्थ्य पर सीधा प्रभाव पड़ता है।

अच्छे पर्यावरण से व्यक्ति के स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव पड़ता है और यदि पर्यावरण हो अस्वस्थ है तो व्यक्ति पर भी उसका अस्वस्थ प्रभाव पड़ता है।

अच्छा पर्यावरण शारीरिक सुख की प्राप्ति कहलाता है और अस्वस्थ

nursingguru.com

वातावरण या पर्यावरण शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक व सामाजिक सुख को प्रभावित करता है।

जैसे- वायु, जल प्रदूषण, कचरा-प्रबंधन, आवास, ग्लोबल वार्मिंग (global warming) आदि स्वास्थ्य को हर स्तर पर प्रभावित करते हैं।

Environment has a direct impact on the individual, family and community and their health.

A good environment has a good effect on a person's health and if the environment is If it is unhealthy then it has an unhealthy effect on the person also.

Good environment is called attainment of physical happiness and unhealthy environment is called attainment of physical happiness.

Environment affects physical, mental, spiritual and social happiness. Such as air, water pollution, Waste management, housing, global warming etc. affect health at every level.

3. व्यावहारिक निर्धारक (Behaviourial Determinants) -

व्यक्ति के दिन-प्रतिदिन के व्यवहार का स्वास्थ्य पर बहुत गहरा असर पड़ता है।

अच्छा व्यवहार व्यक्ति के स्वास्थ्य में वृद्धि करने में मदद करता है। बुरे व्यवहार के कारण अधिकतम मामलों में रोग या दुर्घटना की संभावना होती है।

व्यवहार व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक, सामाजिक तथा आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रखता है।

व्यक्ति का स्वास्थ्य उसकी दैनिक दिनचर्या एवं जीवन शैली का दर्पण है।

A person's day-to-day behavior has a profound impact on health.

Good behavior helps in increasing the health of a person. In most cases, bad behavior leads to disease or accident.

Behavior keeps a person physically, mentally, socially and spiritually healthy.

nursinggyan.com

A person's health is a mirror of his daily routine and lifestyle.

4. सामाजिक-आर्थिक निर्धारक (Socio-economic Determinants) -

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है तथा उसे समाज में रहते हुए विभिन्न नियम, कायदों, परम्पराओं तथा रीति-रिवाजों का पालन करना होता है।

सामाजिक कारण बीमारी होने की संभावना को बढ़ाते हैं।

स्वास्थ्य स्तर देश की सामाजिक आर्थिक परिस्थितियों पर निर्धारित होता है क्योंकि उस जगह पर किसी भी प्रकार की समस्या का रोकथाम व नियंत्रण पैसों के द्वारा किया जा सकता है।

Man is a social animal and he has to follow various rules, regulations, traditions and customs while living in the society. Social factors increase the chances of getting the disease.

The health level is determined by the socio-economic conditions of the country because any kind of problem in that place can be prevented and controlled through money.

5. स्वास्थ्य सेवा प्रणाली (Health Service System) -

जनसमुदाय को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का नियोजन भी लोगों के स्वास्थ्य का निर्धारण करने वाला एक मुख्य कारक है स्वास्थ्य सेवाओं, असमान वितरण, स्वास्थ्य कर्मियों की कमी, ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पताल का न होना एवं रैफरल सुविधाएँ उपलब्ध न होना आदि के कारण स्वास्थ्य देखभाल अधिक प्रभावित होती है।

स्वास्थ्य के निर्धारण में अच्छी स्वास्थ्य सेवाओं के वितरण का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

Planning of health services being provided to the population is also a main factor determining the health of the people.

Health services, unequal distribution, shortage of health workers, lack of hospitals in rural areas. Health care is more affected due to lack of availability of resources and referral facilities etc.

nursingguan.com

Delivery of good health services plays an important role in determining health.

6. राजनैतिक प्रणाली (Political System) -

राजनीति एवं राजनैतिक प्रणाली का सामाजिक वातावरण पर सीधा प्रभाव पड़ता है।

स्वास्थ्य निर्धारण राजनैतिक प्रणाली के द्वारा होता है।

सरकार की नीतियों एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों की स्वास्थ्य निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

इन दोनों स्तरों पर प्रभावी समन्वय की आवश्यकता होती है ताकि जन स्वास्थ्य का स्तर बढ़ाया जा सके।

आर्थिक विकास, सामाजिक, राजनैतिक प्रणाली का वातावरण निर्धारण में प्रभावी योगदान रहता है।

Politics and political system have a direct impact on the social environment. Health is determined by the political system.

Government policies and health programs play an important role in determining health.

There is a need for effective coordination at both these levels so that the level of public health can be increased.

Economic development, social and political systems have an effective contribution in determining the environment.

7. अन्य निर्धारक (Other Determinants) -

• जीवन स्तर (Standard of living)

• धार्मिक और आध्यात्मिक (Religious and spiritual)

• सांस्कृतिक कारक (Cultural factor)

• पोषणीय कारक (Nutritional factor)

nursingguan.com